

संपादकीय भारत-श्रीलंका संबंध सामरिक आश्वासन

श्रीलंका ने नई दिल्ली को आश्वस्त किया है कि वह अपनी धरती का प्रयोग भारतीय सुरक्षा को खतरा पैदा करने के लिए नहीं करेगा। यहां निश्चित रूप से भारत सरकार के लिए बहुत अच्छी खबर है। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने कहा है कि उनका देश किसी को उनके क्षेत्र का प्रयोग करने के खतरा पैदा करने के लिए नहीं करने देगा। यहां आश्वासन ऐसे समय आया है जब चीन आक्रामक रूप से भारत को निशाना बनाने के लिए 'मिशन इंडियन ओसेन' चला रहा है। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ नई दिल्ली में वार्ता के बाद एक संयुक्त बयान में कोलंबो की स्थिति स्पष्ट की है। यह आश्वासन भारत-श्रीलंका संबंधों में महत्वपूर्ण घटना की तरह देखा जा रहा है क्योंकि चीन श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह का प्रयोग नौसैनिक निगरानी और जासूसी जहाजों को खड़ा करने के लिए कर रहा है जिसमें बैलिस्टिक मिसाइल ट्रैकिंग जहाज युवान वांग 5 भी शामिल है। हिंद महासागर में चीन की बढ़ती उपस्थिति नई दिल्ली के लिए चिन्ता का विषय है। हंबनटोटा बंदरगाह अब चीन को 99 साल के पट्टे पर दिया गया है क्योंकि श्रीलंका चीन का कर्ज नहीं अदा कर पा रहा था और यह चीनी नौसैनिक कार्रवाइयों का केन्द्र बन गया है। पिछले दो साल में बीजिंग ने वहां कई बार 25,000 टन क्षमता वाले उपग्रह व मिसाइल ट्रैकिंग जहाज युवान वांग 5 को कई बार खड़ा किया। उत्कृष्ट ट्रैकिंग व संचारात्मक स्थानों से लैस यह जहाज संभवतः इस क्षेत्र की उपग्रह व मिसाइल गतिविधियों पर नजर



नियमित रूप से हिंद महासागर में गश्त का है जिससे इस क्षेत्र में बांजग के रणनीतिक इरादों के बारे में भारत में संदेह पैदा होता है। भारत और श्रीलंका के बीच दुआ समझौता यह सुनिश्चित करने के लिए है कि श्रीलंका के समुद्र समेत उसके क्षेत्र का प्रयोग किसी प्रकार भारत की सुरक्षा या क्षेत्रीय शांति को खतरा पैदा करने के लिए नहीं होगा। यह नई दिल्ली के लिए स्वागत योग्य राहत है जिसमें हिंद महासागर क्षेत्र में स्थायित्व बनाए रखने को महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता माना गया है। यह निश्चित रूप से रातोंरात नहीं हुआ है। भारत ने 2022 के आर्थिक संकट के दौरान श्रीलंका का लगातार समर्थन किया है जिससे दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत हुए हैं। राष्ट्रपति दिसानायके ने भारत की सामायिक सहायता के लिए धन्यवाद दिया है जिसने सर्वाधिक चुनौती वाले एक समय में श्रीलंका की अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। जहां तक चीन का संबंध है, यह श्रीलंका का प्रयोग पूरी तरह भारत को घेरने तथा हिंद महासागर में अपनी उपस्थिति बनाए रखने के लिए कर रहा है। श्रीलंका में चीन का प्रभाव खासकर कोलंबो द्वारा हैंबनटोटा बदरगाह परियोजना के लिए 1.7 बिलियन डालर का कर्ज न अदा करने के बाद बढ़ा है। भारत ने लगातार श्रीलंका में चीनी निवेशों और गतिविधियों के रणनीतिक प्रभावों पर चिन्ता प्रकट की है। इस पृष्ठभूमि में श्रीलंका के राष्ट्रपति का आश्वासन श्रीलंका के इस इरादे का संकेत देता है कि वह क्षेत्रीय स्थायित्व सुनिश्चित करते हुए दोनों क्षेत्रीय शक्तियों के बीच संबंधों में संतुलन रखना चाहता है। इस समझौते से यह तथ्य भी रेखांकित होता है कि कोलंबो भारत की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थायित्व को महत्व देते हुए आने वाले वर्षों में भारत-श्रीलंका के बीच संबंधों को ज्यादा मजबूत रणनीतिक स्वरूप देना चाहता है।

www.nature.com/scientificreports/

लगातार
मुद्रास्फीति,
बैंकिंग क्षेत्र में
मंदी और
पर्यावरण संबंधी
चिंताओं जैसी
चुनौतियां
बाधाएं खड़ी
करती रहती हैं।

कजलीन कौर
(लेखिका, सह प्रोफेसर
हैं)

बाकङ दात्र म
मंदी और
पर्यावरण संबंधी
चिंताओं जैसी
चुनौतियां
बाधा एं खड़ी
करती रहती हैं।

भा रत ने खुद को जी20 देशों में सबसे तेज़ी से बढ़ने वाले अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित कर लिया है जिसकी अनुमानित जीडीपी वृद्धि दर विवरण 2024-25 के लिए 6.5 प्रतिशत प्रतिशत है। यह उल्लेखनीय प्रक्षेपवत्र वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश का आर्थिक लचीलापन और अपार क्षमता के रेखांकित करता है। वर्ष 2024 भारत वे आर्थिक परिदृश्य की एक ज्वलंत तस्वीर प्रस्तुत करता है, जिसमें उल्लेखनीय उपलब्धियां और उभरती चुनौतियाँ शामिल हैं।

प्रगति के सबसे महत्वपूर्ण संकेतकों में से एक रोजगार में पर्याप्त सुधार है। बेरोजगारी दर 2017 में 6 प्रतिशत से घटकर 2024 में

अंत भला तो सब भला

महाराष्ट्र में भाजपा नीत 'महायुति' को असाधारण जनादेश मिला। भाजपा नीत महायुति को विधानसभा चुनावों में भारी विजय मिली और वह 288 सदस्यों वाले सदन में 230 सीटें जीतने में सफल रही। शिंदे की शिवसेना तथा अजीत पवार की रंगकापा ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। शिवसेना को 57 और रंगकापा को 41 सीटें पर विजय मिली। इस परिणाम से कांग्रेस नीत 'महाविकास अचाड़ी'-एमवीए को भारी निराशा मिली। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस का राज्य विधानसभा में प्रदर्शन अब तक का एक सबसे खराब प्रदर्शन रह आरे वह केवल 16 सीटें जीत सकी। शरद पवार के नेतृत्व वाली रंगकापा को केवल 10 सीटें मिलीं जबकि उन्हें उनके दी

ना को केवल 20 सीटों पर आ मिली। लेकिन इस सफलता वजूद चुनाव पश्चात परिदृश्य थल से भरा दिख रहा है। जाता है कि महायुति के दो उन सहयोगियों के बीच त्री पद को लेकर काफी रहा। वैसे भी भाजपा के अपने में सर्वोच्च नेता के रूप में विपक्ष के व्यापक रूप से त्री पद पर आने की आशा वसेसे ने गढ़बंधन की विजय त्वपूर्ण भूमिका निभाई और य शिंदे मुख्यमंत्री पद अपने रखने के इच्छक थे। लेकिन उन चली वार्ताओं के बाद वे फूनवीस को अपना स्थान लिए तैयार हो गए।

मानसिक स्वास्थ्य का महत्व

जिस तरह हम अपने शारीरिक स्वास्थ्य का ख्याल रखते हैं, उसी तरह हमारे मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। घर में एक खुशहाल, सहायक और समझदार माहौल बनाने में माता-पिता की अहम भूमिका होती है। चिंता, डर और अवसाद जैसी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आम हैं, और ये बदमाशी, पारिवारिक संघर्ष, स्कूल या जीवन में बदलाव, शैक्षणिक तनाव या यहां तक कि कठोर दंड के कारण उत्पन्न हो सकती हैं। ये चुनौतियाँ बच्चों को अलग-थलग, क्रोधित या अपनी पढ़ाई पर ध्यान न देने का एहसास करा सकती हैं। यह समझना महत्वपूर्ण है कि परामर्शदाताओं, चिकित्सकों या माता-पिता या शिक्षकों जैसे विश्वसनीय वयस्कों से मदद लेना ताकत का संकेत है, कमज़ोरी का नहीं। आज, पांच में से एक व्यक्ति मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहा है। थेरेपी में जैसे पेशेवर समर्थन भावनात्मक भलाई में काफी सुधार कर सकते हैं। योग, खेल और ध्यान जैसी गतिविधियाँ भी मन को शांत करने और तनाव को कम करने के लिए प्रभावी हैं। इसके अतिरिक्त, माइंडफुलनेस का अध्यास करना - वर्तमान क्षण पर ध्यान केंद्रित करना, बच्चों को अधिक शार्टटाइपूर्ण और केंद्रित महसूस करने में मदद कर सकता है। अच्छी आदतें, जैसे पर्याप्त नींद लेना, स्वस्थ भोजन खाना और हाइड्रेटेड रहना, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों का समर्थन करती हैं।

रहना, मानसिक और शारीरिक
- सुनील वाण्डेय, कानपुर

तिं के पथ पर भारतीय अर्थव्यवस्था



एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस के साथ हासिल किया गया, जिसके कारण 2024 में लेनदेन मूल्य 200 ट्रिलियन रुपये तक पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष यह 139 ट्रिलियन रुपये था। भारत ने वैश्विक मंच पर भी अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया, फ्रांस के साथ डिजिटल भुगतान समझौतों के हिस्से के रूप में पेरिस के एफिल टॉवर में इस प्रणाली की शुरुआत की। वस्तु एवं सेवा कर (त्रस्त) राजस्व संग्रह भी अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गया, जो 2.10 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच

गया - जो पिछले वर्ष की तुलना में 12.4 प्रतिशत की पर्याप्त वृद्धि है। यह वृद्धि घेरेलू लेनदेन में 13.4 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि और आयात में 8.3 प्रतिशत की वृद्धि से प्रेरित थी, जो भारत के बुनियादी ढांचे की ताकत को दर्शाता है। इन आशाजनक आंकड़ों के बीच, कुछ चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक द्वारा मापी गई मुश्खलीयता लगातार उच्च बनी हुई है, जो 5 प्रतिशत से अधिक है। वैकिंग क्षेत्र में मंदी देखी गई है, नवंबर 2024 में ऋण वृद्धि

छले वर्ष के 20.6 प्रतिशत से घटकर 11 प्रतिशत रह गई। जमा बृद्धि में भी कमी आई है, बैंकों ने अप्रैल और नवंबर के बीच 13.8 लाख करोड़ रुपये जमा किए हैं, जबकि छले साल इसी अवधि में 16.1 लाख करोड़ रुपये जमा हुए थे। जवाब में, भारतीय बैंक ने नकदी प्रवाह में सुधार और दूषण बृद्धि को प्रोत्साहित करने के लिए संसंबर में नकद आरक्षित अनुपात को 50 सुधार अंकों से घटाकर 4 प्रतिशत कर दिया। गुणात्मक संकेतक मिश्रित तस्वीर पेश करते हैं। यूएनडीपी लैंगिक असमानता चक्रांक में भारत 14 पायदान ऊपर चढ़ा, जो लैंगिक अंतर को पाटने में महत्वपूर्ण गति को दर्शाता है।

इसने वैशिक नवाचार सूचकांक में भी अपनी स्थिति में सुधार किया, जो दूषणीलता गतिविधि, जीवंत स्टार्टअप और एफल सार्वजनिक-निजी भागीदारी द्वारा चालित 133 वैशिक अर्थव्यवस्थाओं में 30वें से 39वें स्थान पर पहुंच गया। मानव अकास रिपोर्ट 2023-24 ने भारत को 193 शॉर्टों में 134वें स्थान पर रखा, जो जीवन त्याशा, शिक्षा और सकल राष्ट्रीय आय में

वृद्धि को दर्शाता है। हालांकि, हैपीनेस इंडेक्स में कोई प्रगति नहीं देखी गई, जहाँ भारत 126वें स्थान पर बना हुआ है, जिसका मुख्य कारण वृद्धि नागरिकों में असंतोष, अक्षयकथित भेदभाव और खरब बढ़ाव स्वास्थ्य मीट्रिक्स में है। इसके अलावा, भारत पर्यावरण प्रदर्शन में संघर्ष कर रहा है, 180 देशों में से 176वें स्थान पर है। बायु गुणवत्ता, जैव विविधता दृष्टिकोण से भारत और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन जैसी चुनौतियों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

जैसे-जैसे भारत इन जटिलताओं से निपट रहा है, यह महत्वपूर्ण बदलावों से भी उत्तर रहा है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था एक नए वर्चरण में प्रवेश कर चुकी है, और भारत उच्च नेतृत्व में बदलाव देख रहा है, जिसमें संजय गुहा ने भारत को मूल्यांकन अभी भी लंबित है, भारत की विकास कहानी एक ऊज्ज्वल भविष्य के लिए आशावाद और 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करती है।

आप की बात

बांग्लादेश पर लगाम लगे

भारत के लिए बांगलादेश सीमा सुरक्षा तथा क्षेत्रीय स्थायित्व बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण साझीदार है। दोनों देशों के बीच मजबूत आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध हैं जिससे लंबे समय तक गतिरोध संकट का कारण बन सकता है। लेकिन वर्तमान समय में परस्पर विश्वास लगभग समाप्त हो गया है। भारत ने बार-बार बांगलादेश से अनुरोध किया है कि वह अल्पसंख्यकों के खिलाफ जारी हिंसा से निपटे। दूसरी ओर बांगलादेश के अधिकारियों का कहना है कि भारतीय मीडिया का एक हिस्सा जानबूझ कर गलत सूचनायें फैलाता है। भारत और बांगलादेश के बीच अच्छे संबंध हैं ऐसे ही दोनों देशों के बीच अच्छे संबंध हैं जिससे लंबे समय तक गतिरोध संकट का कारण बन सकता है। तत्काल तनाव घटाने के प्रयास करने चाहिए। हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी से पैदा होने वाला तत्काल दूर करने के प्रयास होने चाहिए। उनको जल्दी र जल्दी रिहा करने के साथ ही बांगलादेश में अल्पसंख्यक अधिकारियों के उल्लंघन पर उठ र उल्लंघन करना होगा। भारत की जनता बांगलादेश के हिंदुओं पर हो रहे हमलों पर स्वाभाविक प्रतिक्रिया करती है ऐसे में बांगलादेश को अपने देश कट्टरपथियों पर कठोरता से लगानी चाहिए। भारत के सामाजिक बांगलादेश की हैसियत कुछ नहीं है अतः भारत लगाम कसने वाला बन सकता है।

हालिया चुनाव परिणाम दलगत विकास में खोए अवसरों का खुलासा भी करते हैं। यदि कांग्रेस ने अतीत की गलतियों से बेहतर सबक सीधे होते और आवश्यक परिवर्तन किए होते तो उसका प्रदर्शन बेहतर हो सकता था। कांग्रेस ने चुनाव-पश्चात स्थितियों पर वैसे विश्लेषण नहीं किए जैसे पचमढ़ी या शिमला सम्मेलनों में किए गए थे। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा उनके द्वारा चयनित सहयोगियों के नियंत्रण में है। हालांकि, राहुल गांधी ने हालिया विधानसभा चुनावों में

तेक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल
1.com पर भी भेज सकते हैं।

Page 10

धान खरीदी केंद्र का अभी तक एक बार भी नहीं हुआ है परिवहन

लिमिट से अधिक धान खरीदने के बाद भी परिवहन नहीं, कई धान खरीदी केंद्र बंद

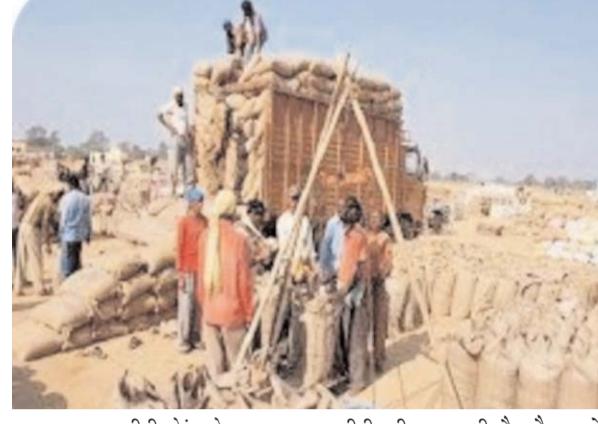
पायनियर संवादकाता ▲ बेमेत्रा

www.dailypioneer.com

जिले में इन दिनों धान खरीदी केंद्र के माध्यम से किसानों के धान खरीदे गए हैं और सभी धान खरीदी केंद्रों में धान खरीदने का लिमिट अलग अलग है लेकिन परिवहन की लेकर व्यवस्था के चलते अभी तक जिले के कई धान खरीदी केंद्रों में धान खरीदी काम एक माह से अधिक होने के बाद भी परिवहन एक भी बार नहीं हुआ है वही कई धान खरीदी केंद्रों में खरीदे गए धान लिमिट से अधिक के बाद परिवहन नहीं होने से वहाँ किसानों का धान खरीदी का काम बंद हो गया है। जबकि धान

परिवहन की रपतर इसी अंदराज से लगाया जा सकता है कि कई धान खरीदी केंद्रों में ये परसेट ही खरीदे गए धान का परिवहन हो पाया है इससे जहां एक तरफ किसान धान बचने के लिए परेशन है तो दूसरी तरफ धान खरीदी केंद्र के समिति प्रबंधक खरीदी के बाद भी धान का परिवहन नहीं होने से परेशन है इसके साथ ही इन धान खरीदी खरीदे गए धान के रखरखाव भी एक समस्या के रूप में खरीदी केंद्र में बनी हुई है।

जिले में 15 नवंबर से धान खरीदी को काम शुरू किया जा रहा है जिसके अंतर्गत बेमेत्रा जिले में



129 धान खरीदी केंद्र के माध्यम से किसानों की धान खरीदी की जा रही है, जिसमें अभी तक कल 3824091.73 किंतु धान की खरीदी की जा चुकी है और इसमें पैर 129 धान खरीदी केंद्रों में खरीदे गए धान का परिवहन का प्रतिशत मत्रा 9.4 है यानी कि अभी तक

10 परसेट भी खरीदे गए धान का परिवहन नहीं किया जा सकता है। इसके संबंध में बार-बार सभी स्टर

16 धान खरीदी केंद्र में नहीं हुआ है अभी तक एक भी बार परिवहन

जिले में 129 धान खरीदी केंद्रों के माध्यम से किसानों के धान खरीदी तो जा रहा है। इन धान खरीदी केंद्रों में 15 नवंबर से प्रारंभ हुआ था जो अभी भी चल रहा है, लेकिन जिले के

गया है। जानकारी के अनुसार जिन

पदमी बारगांव, तेंदुआ सुरहोली, बस्सन, चक्रवाय सहसपुर परसबोड क्षेत्र के किसानों से खरीदे गया धान का अभी तक एक बार भी परिवहन नहीं किया गया है, परिणामस्वरूप इन 14 केंद्रों में लिमिट से अधिक डंप हो

गया है। जानकारी के अनुसार जिन

धान खरीदी केंद्रों में खरीदे गए धान का परिवहन होना की समस्या आ रही है, जिसके चलते जिले के कई धान खरीदी केंद्र अवैध रहता है तोकिन जिले के कई धान खरीदी केंद्र से डंप हो गए हैं या बंद होने के कागर पर है। इस संबंध में जानकारी के अनुसार जिले

के जेवा किठिया डिलिना देवर वीजा, बाजा महारत लंबालपुर मुट्टपुर गोदी कला गवियारी तेंगोला कुरुद खंडसारा पौंछी ताई अरिया बेमेत्रा क्षेत्र के जाल सहित अलेकों धान खरीदी केंद्र हो गए हैं या बंद होने के कागर पर है। इस संबंध में जानकारी के अनुसार जिले

के जेवा किठिया डिलिना देवर वीजा, बाजा महारत लंबालपुर मुट्टपुर गोदी कला गवियारी तेंगोला कुरुद खंडसारा पौंछी ताई अरिया बेमेत्रा क्षेत्र के जाल सहित अलेकों धान खरीदी केंद्र हो गए हैं या बंद होने के कागर पर है। इस संबंध में जानकारी के अनुसार जिले

की खरीदी तक तक के बांध नहीं हो सकती जब तक के बांध से खरीदे गए धान का परिवहन

जिसके परिवहन नहीं होने से किसानों के धान का खरीदा का कार्य बंद कर दिया गया है।

पीएमश्री सेजस कुम्हारी के विद्यार्थियों ने प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं कलाकृतियों का किया प्रस्तुतीकरण

पायनियर संवादकाता ▲ कुम्हारी

www.dailypioneer.com



योषण अभियान जैसी योजनाओं व

चित्रकला, पोस्टर बना कर प्रदर्शित किया। कक्षा सातवीं के छात्र-

छात्रों को सुशासन व्यवस्था पर ऐस्ट्रक्टर्ड में पत्र लेखन कराया गया। महेंद्री और रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से छत्र-छात्राओं ने सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए मनमोहक कलाकृतियों का प्रस्तुतीकरण किया। उत्तर सभी कार्यक्रम विद्यालय की प्राचार्या लता रघुकुमार, प्रधान प्राक्तिक शीतल नैयर एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन पर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

शिक्षा ने आओ भजे जय सतनाम का किया आयोजन बाबा घासीदास के विचारों को आत्मसात करना चाहिए : शिवनारायण

पायनियर संवादकाता ▲ उत्तर

www.dailypioneer.com



कार्यक्रम प्रभारी विजय कुमार प्रधान ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए शिक्षा व कार्यक्रम के विषय में जानकारी को आत्मसात करने की आवश्यकता है इसमें ज्यादा से ज्यादा शिक्षक शामिल होकर अपनी प्रतिभा को पहचान दे रहे हैं। तदपश्चात प्रांतीक्षम्य

शिक्षक डोगियापारा बेलादुल सक्ति, शशिकला पांडेड उच्च वर्ग शिक्षक कूर्ता, रामकुमार पटेड चूर्ण शिक्षक प्राथमिक बोरोपाटा और अंगरेजी सेनि. शिक्षक बंगल मटिया बालोद, ओ.पी. कौशिक रत्नपुरिया प्रधान पाठक कुरुक्षेत्र पेंडरा, हेमा चन्द्रवंशी प्रधान पाठक खुर्मीपारा भिलाई, नैना साहनी प्रधान पाठक गोदिहरी विलाई, चन्द्र कुमार चन्द्रा व्याख्याता तुषार सक्ती, दिनेश कुमार दुबे उच्च वर्ग शिक्षक तत्त्वज्ञ विलासपुर, मदन लाल तोपर व्याख्याता खुर्मुला विलाईगढ़, मनोहर लाल तात्पर व्याख्याता खुर्मुला विलाईगढ़, मनोहर लाल तात्पर प्रधान पाठक बहवीरा जांगीर, सुधा उत्ताप्य शिक्षिका सिवोपा म.प्र., सतीर कार्यक्रम सहायी अमरकाम विद्यालय की प्राचार्या मुदोरान नीति प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का सचालन राष्ट्रीयम विद्यालय तथा अध्यक्ष मंत्री व अमरकाम प्रधान नीति प्रस्तुत किया। कार्यक्रम से ग्रामीणों में खुशी दिखी, जिला अध्यक्ष को धर्मार्थ विद्यालय की स्थानीय व्याख्याता अमरकाम विद्यालय की स्थानीय व्याख्याता अमरकाम से ग्रामीणों में खुशी दिखी, जिला सरपंच के लिए उच्च वर्गीय कार्यक्रम के विषय में जानकारी को लेते हुए अपने शिक्षकों द्वारा खुशी दिखी।

कार्यक्रम में खेल विद्यालय की विद्यार्थी

कार्यक्रम के विषय में जानकारी दिखी।

कार्यक्रम के विषय में जानकार

सुकमा जिले के चिंतागुफा स्वास्थ्य केंद्र ने राष्ट्रीय स्तर पर रचा इतिहास

भारत सरकार से मिला राष्ट्रीय गुणवत्ता आशासन मानक प्रमाणपत्र सम्मान

पायनियर संवाददाता ✎ सुकमा

www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र स्वास्थ्य केंद्र चिंतागुफा ने स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में बह कर दिखाया है, जिसकी कल्पना भी मुश्किल थी। वर्तीं तक दहशत और चुनौतियों का पार्यव रहे, इस क्षेत्र ने अब अपनी सेवा भावना, मेहनत और प्रतिवर्द्धता से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बर्दाहा है। चिंतागुफा स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत पांच उप-स्वास्थ्य केंद्र हैं, जिसमें 45 घोर नक्सल प्रभावित गांव आते हैं। भारत के सबसे बड़ी नक्सल घटना, जहां 76 जवान शहीद हुए थे, वह ताइमेटला गांव भी इसी सेक्टर में आता है। सुकमा कलेक्टर के अपराध के बाद रिहाई का क्षेत्र हो या बुकायाल में शहीदों की याद, सब इसी इलाके की घटना है। कोटा विकाससंघड अंतर्गत स्थित यह क्षेत्र घोर नक्सल प्रभावित है, जिसके 89.69 प्रतिशत का उल्कू स्कोर प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि सुकमा

जिले में प्रथम स्थान पर आने के साथ ही पूरे राज्य में चर्चा का विषय बन गई है। गोरतलब है कि चिंतागुफा स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत पांच उप-स्वास्थ्य केंद्र हैं, जिसमें 45 घोर नक्सल प्रभावित गांव आते हैं। भारत के सबसे बड़ी नक्सल घटना, जहां 76 जवान शहीद हुए थे, वह ताइमेटला गांव भी इसी सेक्टर में आता है। सुकमा कलेक्टर के अपराध के बाद रिहाई का क्षेत्र हो या बुकायाल में शहीदों की याद, सब इसी इलाके की घटना है। कोटा विकाससंघड अंतर्गत स्थित यह क्षेत्र घोर नक्सल प्रभावित है, जिसके 89.69 प्रतिशत का उल्कू स्कोर प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि सुकमा



चिंतागुफा का सफरः संघर्ष से सफलता तक- चिंतागुफा स्वास्थ्य केंद्र, 2009 में आरएमए मुकेश बख्शी की पदस्थानों की कमी ने हर दोरानाल पर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए चुनौती थी। वर्ष 2011 में 11 अप्रैल को एक घटना के दैयन नक्सलियों ने एंबुलेंस पर हमला किया, जिसमें आरएमए मुकेश और कई बच्चे मौजूद थे। बख्शी और कई बच्चों को बेहतर इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र दोरानाल एम्बुलेंस में ले जा रहे थे, तभी नक्सलियों ने एंबुलेंस में 8 गोलियां लगी। किस्मत से किसी को गोली नहीं लगी। नक्सलियों ने सबको नीचे उतार कर जमीन में पेट

हैं। लंबे समय तक नक्सल प्रभाव ने विकास कार्यों और भवन निर्माण का बख्शी को देखकर नक्सलियों ने सभी को छोड़ दिया। इसके बावजूद, बख्शी ने अपनी सेवा भावना से लोगों का दिल जीतकर इस क्षेत्र में आवासीय सुविधाओं का निर्माण किया। वर्ष 2017 में स्वास्थ्य केंद्र चिंतागुफा के प्रभारी आरएमए मुकेश बख्शी को चिकित्सा सेवाभाव के लिए स्वास्थ्य मंत्री द्वारा धनवतीरी सम्मान दिया गया। वर्ष 2017 में ही राज्य टीम के साथ मलेंरिया अनुसंधान हेतु बख्शी, श्रीनंका जाने हेतु चयनित हुए। वर्ष 2019 में मुख्यमंत्री द्वारा हेल्थ इंडिकॉन सम्मान से बनाया गया। यह क्षेत्र आज भी बुनियादी संसाधनों से दूर है। सड़कें, नेटवर्क कार्य जैसे सभी विभागों की समीक्षा में उच्च रैंक हासिल किया। चिंतागुफा स्वास्थ्य केंद्र प्रतिमाह और टीम वर्क से किसी भी बाधा को पार किया जा सकता है।

1000 से अधिक ओपीडी, और 100 से अधिक भर्ती मरीजों का स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही है। यह उपलब्धि केवल एक स्वास्थ्य केंद्र की नींव, और सेवा भावना की दृढ़ता, संवर्धन और सेवा भावना की कहनी है। डॉ. अनिल पटेल, महेंद्र काको, सीमा किसेंगु, रीना कुमारी, पार्वती कुहम, अनिता सोंदी सहित पूरी टीम ने एकजुट होकर इस सफलता को संभव बनाया। आयुष्मान अरोग्य मिट्रिंग चिंतागुफा अब इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का विसर्ग हुआ। राज्य और जिला अधिकारियों, डब्ल्यूएचओ कांसल्टेंट्स, और आवासीय स्वास्थ्य मानकों और गुणवत्ता को बनाये रखने के लिए पूरी प्रतिवर्द्धता से काम चुका है, और अपने स्वास्थ्य मानकों और गुणवत्ता को बनाये रखने के लिए एक उदाहरण है कि कैसे संपर्ण और टीम वर्क से किसी भी बाधा को पार किया जा सकता है।

महिला बाल विकास द्वारा मुख्यमंत्री बाल संदर्भ शिविर का किया आयोजन



पायनियर संवाददाता ✎ सरयापली

www.dailypioneer.com

विकासखंड के बलोदा आगनवाड़ी केंद्र (सी) में स्वास्थ्य विभाग व महिला बाल विकास द्वारा अंतर्गत बाल संदर्भ शिविर का आयोजन किया गया। जहां पर कुल 32 बच्चों का जांच किया गया, जिसमें से मध्यम कूपोषित 13 एवं ऊंची कूपोषित 07 बच्चे मिले। अपनी बच्चों को त्वरित उपचार के रूप में मल्टीविटामिन, केलिंग्यम, एंटीबायोटिक का सिरप दिया गया।

एवं गंभीर कूपोषित बच्चों को एनआरसी सरायपली में भर्ती करने के लिए पालक को सताह दिया गया। इस शिविर में डॉक्टर जनक कुमार जेरी, डॉक्टर अनुपा दास, सेक्टर सुपरवाइजर डोलामणी थोई, रश्म डरिया, महिला एवम् बाल विकास सुपरवाइजर जी लकड़ा एवं समस्त अंगनवाड़ी की कार्यकर्ता उपसेक्टर और एक बच्चे निर्मित। उपरोक्त जनकारी खंड विस्तार प्रशिक्षण एवं संविधान द्वारा दिया गया। अपनी बच्चों को त्वरित उपचार के रूप में मल्टीविटामिन, केलिंग्यम, एंटीबायोटिक का सिरप दिया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों की बीच क्रिकेट प्रतियोगिता, सूशासन पर पैदायां और पोस्टर प्रतियोगिता, फैसी डेस प्रतियोगिता, पोस्टकार्ड लेखन, मेहंदी कार्यक्रम का सिरप दिया गया।

ग्लोबल फण्ड ईस, टीबी व मलेरिया की नेशनल टीम द्वारा तोकापाल सीएचसी का किया निरीक्षण

पायनियर संवाददाता ✎ जगदलपुर

www.dailypioneer.com

ग्लोबल फण्ड ईस, टीबी व मलेरिया की नेशनल टीम सामादियक स्वास्थ्य केंद्र तोकापाल में निरीक्षण के लिए पहुंची, इस दौरान टीम के डॉ. पीके श्रीवालव, डॉ. के. रवि कुमार एवं उनके बीच सदस्यीय टीम द्वारा सामादियक स्वास्थ्य केंद्र तोकापाल एवं आयुष्मान अरोग्य मिट्रिंग पलवा का अवलोकन किया गया। उक्त टीम द्वारा एवं आयुष्मानी ईस टीम द्वारा सामादियक के रोकथाम एवं उम्मल हेतु ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यकारियों से मैदानी क्षेत्रों में कार्य करते समय होने वाली सम्मानों के स्वास्थ्य केंद्र द्वारा एवं उपचार के रूप में आयुष्मान अरोग्य मिट्रिंग के लिए निरीक्षण करने के लिए ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यकारी डॉ. रमेश कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों की अवलोकन किया गया। इस टीम के लिए निरीक्षण के दौरान समर्वाचित स्वास्थ्य के अधिकारी डॉ. श्रीमती रमेश सामादियक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा एवं आयुष्मान अरोग्य मिट्रिंग के दौरान निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान समर्वाचित स्वास्थ्य के अधिकारी डॉ. श्रीमती रमेश सामादियक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा एवं आयुष्मान अरोग्य मिट्रिंग के दौरान निरीक्षण किया गया।



का अवलोकन किया गया। जिसमें बाकी कार्यक्रमों की उपलब्धि के संतोषजनक पाया गया। इन कार्यक्रमों के सुचारा संपादन हेतु राज्य एवं ग्रामीण स्वास्थ्य कार्यकारियों की जानकारी लेकर बह रखे उपचार के दस्तावेजों का भी अवलोकन किया गया। साथ ही स्वास्थ्य कार्यकारियों से मैदानी क्षेत्रों में कार्य करते समय होने वाली सम्मानों के साथ सुविधा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक, जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. रमेश सामादियक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा एवं आयुष्मान अरोग्य मिट्रिंग के दौरान निरीक्षण किया गया। बच्चों के अंतर्गत विद्यार्थियों की अवलोकन किया गया। इस टीम के लिए निरीक्षण के दौरान समर्वाचित स्वास्थ्य के अधिकारी डॉ. श्रीमती रमेश सामादियक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा एवं आयुष्मान अरोग्य मिट्रिंग के दौरान निरीक्षण किया गया।

स्वर्णप्राशन एवं बाल रक्षा किट के लिए आयुर्वेद महाविद्यालय चिकित्सालय में उमड़ी भीड़

2702 बच्चों को कराया गया स्वर्णप्राशन

पायनियर संवाददाता ✎ रायपुर

www.dailypioneer.com

बच्चों के व्याधिशमत्व, पाचन शक्ति, स्पर्श शक्ति, शरीर के संचालक स्वतंत्रता, शास्त्रीय विभाग के संचालक स्वतंत्रता एवं रोगों से लकड़ा लेकर बच्चों के लिए आयुर्वेद महाविद्यालय, रायपुर में निरीक्षण के दौरान टीम के साथ सुविधा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. श्रीमती रमेश सामादियक के दौरान निरीक्षण करने के लिए ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारी डॉ. रमेश सामादियक के दौरान निरीक्षण किया गया। बच्चों के लिए ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारी डॉ. रमेश सामादियक के दौरान निरीक्षण किया गया। बच्चों के लिए ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारी डॉ. रमेश सामादियक के दौरान निरीक्षण किया गया। बच्चों के लिए ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारी डॉ. रमेश सामादियक के दौरान निरीक्षण किया गया। बच्चों के लिए ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र के अधिकारी डॉ. रमेश सामादियक के दौरान निरीक्षण किया गया। बच्चो

